

जिला विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में ली गयी समीक्षा बैठक दिनांक 15.10.2026 का कार्यवृत्त।

मुख्य विकास अधिकारी महोदय के निर्देश पर जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा पूर्व निर्धारित दिनांक 15.06.2026 को की गयी, जिसमें जल निगम (ग्रामीण), नामित कार्यदायी संस्था मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा/मेसर्स जी.ए. विश्वनाथ/मेसर्स के.एल.एस.आर एवं डीपीएमयू/टीपीआई के निम्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

- 1- श्री रामेश्वर दयाल, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ।
- 2- श्री जितेन्द्र नाथ, सहायक अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ।
- 3- श्री नायाब रज़ा, सहायक अभियन्ता (एस0डब्ल्यू0एस0एम0), जल निगम (ग्रामीण), मऊ।
- 4- श्री अतिउल्लाह, सहायक अभियन्ता (एस0डब्ल्यू0एस0एम0), जल निगम (ग्रामीण), मऊ।
- 5- श्री राकेश रंजन, सहायक अभियन्ता, जल निगम (वि/या0), सोनमद्र।
- 6- श्री अनूप, जिला प्रतिनिधि- मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा (कार्यदायी संस्था)।
- 7- श्री प्रतीक/दीपक, जिला प्रतिनिधि-मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ (कार्यदायी संस्था)।
- 8- श्री उत्पल दूबे/सिवारामकृष्णा, जिला प्रतिनिधि-मेसर्स के.एल.एस.आर (कार्यदायी संस्था)।
- 9- श्री अब्दुल्ला आजमी, मेसर्स सुधाकर।
- 10- श्री नन्दलाल सिंह, (से0नि0 एस0डी0एम0), डी0सी0, डीपीएमयू, मऊ।
- 11- श्री धर्मेन्द्र सिंह, डीपीएम टीपीआई संस्था।
- 12- श्री अरूप श्रीवास्तव, टीपीआई संस्था (O&M)।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत चल रहे कार्यों के सम्बन्ध में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ में कुल 532 पेयजल परियोजनाओं को पूर्ण करने की स्वीकृत प्रदान की गयी है। 532 परियोजनाओं में कुल 1320 राजस्व ग्राम आच्छादित है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा द्वितीय फेज के अन्तर्गत वर्ष 2021 से कार्य प्रारम्भ किया गया है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ एवं मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा पाचवें फेज में दिसम्बर 2022 से कार्य प्रारम्भ किया गया। कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की घटकवार (कम्पोनेन्ट) समीक्षा की गयी।

1-सी.एम. डैशबोर्ड:- सर्व प्रथम सी.एम. डैशबोर्ड से सम्बन्धित जल जीवन मिशन के महत्वपूर्ण बिन्दु की समीक्षा की गयी। गृह संयोजन (नल कनेक्शन) में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण जनपद मऊ की रैंक श्रेणी- सी में प्रदर्शित हो रही है। जनपद मऊ में गृह संयोजन का लक्ष्य 264404 निर्धारित है जिसके सापेक्ष 250103 की पूर्ति हो पायी है। 14301 नल कनेक्शन किया जाना अवशेष है। नल कनेक्शन की प्रगति बढ़ा ली जाय तो जनपद मऊ की रैंक बढ़ जायेगी। महोदय द्वारा तीनों कार्यदायी संस्थाओं की पृथक-पृथक समीक्षा की गयी। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 96832 के सापेक्ष 93628 की पूर्ति की गयी है, 3204 अवशेष है। मेसर्स के.एल. एस.आर द्वारा 43759 के सापेक्ष 41279 की पूर्ति की गयी है, 2480 अवशेष है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 84595 के सापेक्ष 82426 की पूर्ति की गयी है, 2169 अवशेष है। तीनों संस्थाओं के द्वारा कुल 7853 नल कनेक्शन किया जाना अवशेष है। तीनों संस्थाओं को अवशेष कनेक्शन को 31 अक्टूबर तक अधिक से अधिक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि सितम्बर माह में 2688 कनेक्शन कराये गये हैं। अक्टूबर में 1000 कनेक्शन कराने का लक्ष्य निर्धारित है। सितम्बर माह में कराये गये कनेक्शन अपडेट न होने के कारण पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं। अपडेट होने पर तथा अक्टूबर में 1000 कनेक्शन की पूर्ति किये जाने के पश्चात जनपद मऊ की रैंक श्रेणी-सी से श्रेणी-बी में आ जायेगी। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ द्वारा अवगत कराया गया कि अगिला व सलाहाबाद दो ग्राम पंचायत नगरीय निकाय में शामिल हो गयी है, परन्तु जल निगम ग्रामीण के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं। दोनों ग्रामों को पोर्टल से हटाने पर प्रगति में वृद्धि होगी, पत्रालेख भी लिखा गया है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ को निर्देशित किया गया कि 2688 को अपडेट करने हेतु प्रथम स्तर पर प्रयास किया जाय तथा आवश्यक होने पर मुख्य विकास अधिकारी महोदय के स्तर से भी पत्र प्रेषित कराया जाय। कार्यदायी संस्थाओं द्वारा सितम्बर में 2688 कनेक्शन कराने के पश्चात अक्टूबर में 1000 कनेक्शन कराने का वादा किया गया है।

आगामी समीक्षा बैठक में वास्तविक प्रगति को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये तथा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ को नियमित अनुश्रवण करने हेतु निर्देशित किया गया।

2-शिरोपरि जलाशय:- मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 225 शिरोपरि जलाशय बनाने का लक्ष्य निर्धारित है जिसमें से मात्र 114 पूर्ण किये गये हैं। 76 से 99 प्रतिशत के मध्य 60 शिरोपरि जलाशय की प्रगति प्रदर्शित हो रही है। 51 से 75 प्रतिशत के मध्य 40 है तथा 26 से 50 प्रतिशत के मध्य 08 है। 0 से 25 प्रतिशत के मध्य 02 शिरोपरि जलाशय है। संस्था को आगामी माह नवम्बर की बैठक होने की अवधि में 10 को 100 प्रतिशत पूर्ण करने तथा 51 से 75 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 20 को 76 से 99 प्रतिशत की श्रेणी में ले जाने व 26 से 50 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 08 में से 04 को 51 से 75 प्रतिशत श्रेणी में ले जाने के निर्देश दिये गये। 02 शिरोपरि जलाशय की प्रगति 0 से 25 प्रतिशत के मध्य है। संस्था के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि भूमि विवाद का मामला था जो हल हो चुका है। वहा पर तत्काल कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये हैं।

3-मेसर्स के.एल.एस.आर:- मेसर्स के.एल.एस.आर का 113 शिरोपरि जलाशय बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। 108 पर कार्य प्रारम्भ किया गया है। 05 पर कार्य ही प्रारम्भ नहीं किया गया है। 108 शिरोपरि जलाशय में से 17 पूर्ण हो चुके हैं। 76 से 99 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 27 हैं तथा 51 से 75 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 48 हैं। 26 से 50 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 15 हैं। 0 से 25 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 01 हैं। इस संस्था की प्रगति अत्यन्त धिन्तनीय है। पाँच पर कार्य ही प्रारम्भ नहीं किया गया है। संस्था के जिला प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि खिरिया, अमिरहाँ, खैराबाद में भूमि नहीं मिली है। खिरिया व अमिरहा में भूमि दी गयी थी, परन्तु दोनों ग्रामों में दो बार व तीन बार बोर फेल होने के कारण अतिरिक्त भूमि की अनुपलब्धता के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका। खैराबाद में भूमि उपलब्ध है परन्तु कम है। इसके अलावा हाजीपुर व रसूलपुर में भूमि तो उपलब्ध है परन्तु स्थानीय स्तर पर विवाद के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं सका है। सहायक अभियन्ता विद्युत/यांत्रिक, जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र द्वारा भी बोर फेल होने वाले ग्रामों में अतिरिक्त भूमि पर ही कार्य करना सम्भव होना बताया गया। कार्यदायी संस्था तथा सहायक अभियन्ता, जल निगम को सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुये शीघ्र कार्य प्रारम्भ करने के लिये निर्देश दिये गये। हाजीपुर व रसूलपुर में स्थानीय स्तर पर भूमि विवाद का निस्तारण भी उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर करने के लिये निर्देश दिये गये। संस्था द्वारा अब तक मात्र 17 शिरोपरि जलाशय पूर्ण करना संस्था की लापरवाही एवं उदासीनता परिलक्षित हो रहा है। 51 से 75 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 48 शिरोपरि जलाशय में से 20 को 76 से 99 प्रतिशत श्रेणी में ले जाने के निर्देश दिये गये। 26 से 50 प्रतिशत के मध्य प्रगति वाले 15 में से 08 शिरोपरि जलाशय की प्रगति बढ़ाकर 51 से 75 प्रतिशत की श्रेणी में ले जाने के निर्देश दिये गये।

4-मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ:- मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ को 199 शिरोपरि जलाशय पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। संस्था द्वारा 195 ओएचटी पर कार्य प्रारम्भ किया गया था, जिसमें से 189 ओएचटी पूर्ण कर ली गयी है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ का कार्य दोनों संस्थाओं के सापेक्ष काफी बेहतर परिलक्षित हो रहा है। 76 से 99 प्रतिशत के मध्य मात्र 02 ओएचटी हैं। 51 से 75 प्रतिशत के मध्य मात्र 01 हैं व 26 से 50 प्रतिशत के मध्य 01 है। 0 से 25 प्रतिशत के मध्य 02 है। संस्था की बेहतर प्रगति है। आगामी नवम्बर माह की बैठक तक प्रगति बढ़ा ली जाय। 04 परियोजनाओं पर कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। जिसके सम्बन्ध में भूमि की अनुपलब्धता व विवाद बताया गया। शहरोज एवं भावनपुर पेयजल परियोजना में भूमि उपलब्ध न होने के कारण तथा बनाफा व भोपीरा पेयजल परियोजना पर रास्ता बाधित करने के कारण ओएचटी का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका है। जबकि बोरिंग, बाउण्ड्रीवाल बन गया है। भावनपुर व शहरोज में भूमि उपलब्ध नहीं है। भावनपुर में जो भूमि उपलब्ध करायी गयी वह मौके पर तालाब की शक्ल में है। सहायक अभियन्ता विद्युत/यांत्रिक, जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र द्वारा उक्त भूमि योजना निर्माण के लिये अनुपयुक्त बताया गयी है। संस्था व सहायक अभियन्ता को सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क का भूमि उपलब्ध कराने तथा रास्ता का विवाद निस्तारित कराने के लिये निर्देश दिये गये।

5-द्यूबवेल:- जनपद मऊ में कुल 575 द्यूबवेल के सापेक्ष 568 द्यूबवेल पूर्ण हो चुके हैं। 07 द्यूबवेल अपूर्ण हैं। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा का 01, मेसर्स के.एल.एस.आर को 03, तथा मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ का 03 द्यूबवेल पूर्ण नहीं है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा का ग्राम खानपुर की पेयजल परियोजना का द्यूबवेल पूर्ण नहीं है। खानपुर में दो द्यूबवेल बनने थे, प्रथम बन गया है। द्वितीय द्यूबवेल के लिये भूमि नहीं मिली है। मेसर्स के.एल.एस.आर के ग्राम पंचायत खिरिया, अमिरहाँ तथा खैराबाद भूमि की अनुपलब्धता के कारण द्यूबवेल नहीं बन पाया है। खिरिया व अमिरहा में दो तथा तीन बार बोर किये गये थे, परन्तु सभी बोर सफल नहीं हुये हैं। ग्राम खैराबाद में भूमि नहीं मिली है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ के भी तीन द्यूबवेल बने नहीं हैं। भावनपुर में तालाब के शक्ल

की भूमि है शहरोज में दो ट्यूबवेल है, जहाँ पर भूमि उपलब्ध नहीं हुई है। तीनों संस्थाओं व सहायक अभियन्ता के साथ सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुये निर्माण पूर्ण करने के लिये निर्देश दिया गया।

6-पम्प हाउस:- जनपद मऊ में कुल 575 पम्प हाउस निर्माण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 558 पर कार्य प्रारम्भ किया गया तथा उसमें से 527 पूर्ण कर लिये गये हैं। 575 के सापेक्ष 558 पर कार्य प्रारम्भ हुआ लेकिन 17 पर कार्य ही नहीं प्रारम्भ किया गया। कार्य प्रारम्भ होने वाले 558 में से 527 पूर्ण हो चुके हैं। 575 में से 558 पूर्ण है तथा 48 अपूर्ण है, जिसमें से 17 पर कार्य नहीं प्रारम्भ हुआ है। 31 पम्प हाउस का कार्य प्रारम्भ करने के बावजूद पूर्ण नहीं है। 48 में सर्वाधिक 28 पम्प हाउस केवल मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा के हैं। 14 मेसर्स के. एल.एस.आर के है तथा 06 मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ के है। नवम्बर माह की आगामी बैठक तक मेसर्स के.एल.एस. आर 11 तथा जी.ए.विश्वनाथ के 01 पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये गये। मेसर्स एल.सी की प्रगति असन्तोषपूर्ण है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा को नवम्बर माह की बैठक तक 11 पूर्ण किये जाने के लिये निर्देश दिये गये हैं।

7-सोलर पैनल:- जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत कुल 529 परियोजनाओं पर सोलर प्लान्ट लगाने का लक्ष्य निर्धारित है। 523 परियोजनाओं पर सोलर प्लान्ट लगाने का कार्य प्रारम्भ किया गया, जिसमें से 413 पूर्ण हो चुके हैं। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 219 के सापेक्ष 213 पर कार्य प्रारम्भ किया गया, परन्तु 180 पूर्ण किये गये हैं। मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 113 के सापेक्ष 113 पर कार्य प्रारम्भ करना दर्शाया गया है, परन्तु मात्र 64 पर पूर्ण किया गया है। मेसर्स के.एल.एस.आर संस्था के टैक, पम्प हाउस व ट्यूबवेल में पोंछ पर कार्य ही प्रारम्भ नहीं किया गया है, तो सभी 113 पर सोलर पैनल का कार्य प्रारम्भ करने की जो प्रगति दिखयी गयी है संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ इस का परीक्षण कर लें। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 197 में से 197 पर कार्य प्रारम्भ किया जाना दर्शाया गया है। 169 पूर्ण भी कर लिये गये हैं। आगामी नवम्बर की बैठक तक मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा 12 तथा के.एल.एस.आर के 10 व जी.ए. के 14 कुल 36 सोलर प्लान्ट पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

8-पाइप लाइन:- शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु पाइप लाइन बिछाने के लिये जनपद मऊ का कुल लक्ष्य 7941 किमी० निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 7534 किमी० पूर्ण किया गया है। कार्यदायी संस्था मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 2963 किमी० के सापेक्ष 2865 किमी० पाइप लाइन बिछायी गयी है, 98 किमी० अवशेष है। मेसर्स के.एल.एस. आर द्वारा 1748 किमी० के सापेक्ष 1520 किमी० पूर्ण किया गया है, 228 किमी० अवशेष है। मेसर्स जी.ए. विश्वनाथ द्वारा 3230 के सापेक्ष 3149 किमी० पूर्ण किया गया है, 81 किमी० अवशेष है। आगामी बैठक नवम्बर माह तक तीनों कार्यदायी संस्थाओं का 20-20 किमी० पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

9-रोड रेस्टोरेशन:- कार्यदायी संस्थाओं द्वारा पाइप लाइन हेतु जिन जिन मार्गों को क्षतिग्रस्त किया गया है। बरसात का मौसम समाप्त हो चुका है। सामान्य जन के आवागमन की सुगमता के दृष्टिगत सार्वजनिक मार्गों को व्यवस्थित करने के लिये मा० मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विशेष निर्देश दिये गये हैं। 31.10.2026 तक प्रत्येक दशा में सभी मार्गों का आवागमन हेतु सुगम बना लिया जाय। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ द्वारा बताया गया कि सभी संस्थाओं द्वारा कुल 10 टीमें लगायी गयी है। जिसमें मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा 04, मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ 04, मेसर्स के.एल.एस.आर 02 टीम लगायी है। विभागीय सहायक अभियन्ता एवं जूनियर इंजीनियर्स के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र का परीक्षण/निरीक्षण किया जा रहा है। थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन (टीपीआई) द्वारा भी नियमित भ्रमण कर सुधारात्मक प्रगति की जा रही है। रोड रेस्टोरेशन को लेकर जनपद प्रशासन अत्यन्त गंभीर है। सभी कार्यदायी संस्थाओं को तथा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ व टीपीआई को नियमित पर्यवेक्षण करते हुये 31.10.2026 तक सभी मार्गों को सुगम आवागमन हेतु व्यवस्थित करने के निर्देश दिये गये।

10-रेगुलर वाटर सप्लाई:- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ द्वारा बताया गया कि कुल 312 परियोजनाओं पर नियमित शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही है। 263 परियोजनाओं में शिरोपरि जलाशय के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है, जिसमें 598 राजस्व ग्राम आच्छादित है। 49 परियोजनाओं में पम्प से डायरेक्ट शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है, जिसमें 108 राजस्व ग्राम आच्छादित है। कुल 706 राजस्व ग्रामों में नियमित आपूर्ति हो रही है। जो 53 प्रतिशत है। परियोजनाओं पर नियुक्त पम्प आपरेटरर्स की नियमित निगरानी की आवश्यकता है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), मऊ एवं कार्यदायी संस्थाओं का पम्प आपरेटरर्स की निगरानी करते हुये दोनों पर पम्प चालू कर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया।

11-टीपीआई- निर्माणाधीन पेयजल परियोजनाओं के निर्माण की गुणवत्ता मानक के अनुसार सुनिश्चित किये जाने हेतु शासन द्वारा मेघज टेक्नो कान्सेप्ट प्रा0लि0 के रूप में थर्ड पार्टी द्वारा निर्माण का पर्यवेक्षण किये जाने की व्यवस्था की गयी है। कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि निर्माण की गुणवत्ता के सम्बन्ध में थर्ड पार्टी द्वारा लगायी गयी आपत्तियों का मौके पर तत्काल निस्तारण करते हुये कम्प्लायन्स रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

23/10/2026
(सुभाष चन्द्र सरोज)
जिला विकास अधिकारी,
मऊ

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, मऊ।

पत्रांक 8108 / M-7 / 117 दिनांक 23/10/26

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, लखनऊ।
- 2- जिलाधिकारी महोदय, मऊ को सादर अवलोकनार्थ।
- 3- मुख्य विकास अधिकारी महोदय, मऊ।
- 4- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को अनुपालन हेतु प्रेषित।
- 5- मेसर्स एल0सी0 इन्फ्रा/मेसर्स जी.ए. विश्वनाथ/मेसर्स के.एल.एस.आर को दिये गये निर्देशों पर कार्यवाही/अनुपालन सुनिश्चित करने एवं अपने से सम्बन्धित बिन्दुओं पर अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
- 6- डीपीएम टीपीआई संस्था को कराये जा रहे कार्यों के गुणवत्ता पर्यवेक्षण हेतु प्रेषित।

23/10/2026
जिला विकास अधिकारी,
मऊ